

२२-४-१०१७ भावली मेरा दुयो उमरपल साधवता  
 असाध्यत मनीसानरुप ने प्रथमपल  
 प्रस्तुत कर विकल्प किया है कि  
 मनीस से सबे धीत प्रकृत के  
 सबे धी के प्रकृतिमान संज्ञानासा  
 को मानने से इस प्रकृति से  
 कियेवादा होय करायी जाय।  
 असाध्यत के प्रथमपल पर  
 इस प्रकृति से कियेवादा समाप्त  
 की जाते है।

राजेश्वरी

एकलाल

मन्दीर

मैकेलाल

भगवान

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा (राज.)

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा

01/5/11

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
 भीलवाड़ा